लोकतंत्र की अखंड धारा, विश्व सुदृढ़ संगठन हमारा
दीपकमल संदेश
03 मई 2020
डिजिटल बुलेटिन
हिमाचल प्रदेश

कोरोना रूपी राक्षस को परास्त करने के लिए हिमाचल भाजपा हर मोर्चे पर डटी

कुल कितने लोगों को खाने के पैकेट पहुँचाए गए
4,15,143

कुल लाभार्थियों की संख्या
19,80,667

कुल कितने लोगों को सूखा राशन, खाद्य पदार्थ और अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की गई
94,058

फेस कवर वितरण
15,25,427

PM CARES FUND
1,75,23,723

कुल कितने कार्यकर्ताओं ने अभियान के कार्यों में भाग लिया
37,831

CM COVID-19 Solidarity Respose
6,84,74,001

लोकतंत्र की अखंड धारा, विश्व सुदृढ़ संगठन हमारा
दीपकमल संदेश
03 मई 2020
डिजिटल बुलेटिन
हिमाचल प्रदेश

संपादकीय

लॉकडाउन के बावजुद हिमाचल भाजपा के सैनिक हर मोर्चे पर जनसेवा में तत्पर

कोरोना वायरस के कारण सारा देश लॉकडाउन में रह कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आदेश ''लक्ष्मण रेखा'' न लांघने के निर्देश को अपना कर्तव्य समझ कर लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं। कर्फ्यू में ढील के दौरान सारा समाज अपने नित प्रति की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए घर से निकलते हैं। यह बड़े ही प्रसन्न्ता का विषय है कि लॉकडाउन में भी भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता दिन–रात समाज सेवा में लगा हुआ है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिन्दल तथा संगठन महामंत्री श्री पवन राणा सभी मण्डलों व जिलों के कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेकर समाज सेवा करने वाले कार्यकर्ताओं तथा समाज के दानवीरों द्वारा दिए जा रहे सहयोग का ब्योरा प्राप्त कर रहे हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से जानकारी ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय जगत प्रकाश नड्डा के मंत्र को ''एक भी व्यक्ति भूखा न रहे'' के संदेश को साकार कर रहे हैं। महिला मोर्चा द्वारा मास्क बना कर मुफ्त में बांटना, जरूरतमंदों को खाने के पैकेट बना कर देना, सूखा राशन वितरित करना, दवाईयों का प्रबन्ध करना तथा जरूरतमंदो के घर तक पहुंचाना जैसी जिम्मेवारियों को सभी कार्यकर्ताओं ने बखूबी निभाया।

लॉकडाउन में सभी गैर भाजपा तथा गैर संघ के कार्यकर्ता घर में रह कर आराम करते रहे लेकिन भारतीय जनता पार्टी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता विषम परिस्थितियों में भी डटे रहे और जहां से भी किसी जरूरतमंद की आवाज आयी, आगे खड़े होकर उसकी आवाज के मोचक बन गए।

अभी तक जो आंकड़े सामने आये हैं उससे तो यही पता चलता है कि

लोकतंत्र की अखंड धारा, विश्व सुदृढ़ संगठन हमारा
दीपकमल संदेश
03 मई 2020
डिजिटल बुलेटिन
हिमाचल प्रदेश

भारतीय जनता पार्टी हिमाचल में कार्यकर्ता संकट की इस घड़ी में संकटमोचक बन कर जनता की आवश्यकताओं को पूर्ण करते आये हैं। लॉकडाउन के दौरान जो मजदूर अपने–अपने आशियाने में बंद हो गए थे उनकी चिंता करने का काम सभी लोगों ने किया है।

हमारा मानना है कि हिमाचल प्रदेश देवभूमि है और यहां के लोगों का पूर्ण विश्वास देवी–देवताओं पर रहता है। हिमाचल प्रदेश में यद्यपि 6 जिलों में इक्का–दुक्का कोरोना मरीज प्रकट हुए लेकिन धीरे–धीरे वे स्वस्थ हो गये और जितने 5–6 मरीज उपचाराधीन हैं, वे भी रोग मुक्त हो कर अपने घर जा सकेंगे और आशा करनी चाहिए कि हिमाचल के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर के प्रयासों, सरकारी अमलो की सावधानी से, कोरोना योद्धाओं डॉक्टर्स, पैरामैडिकल स्टाफ, सफाई कर्मचारियों, पुलिस विभाग व हिमाचल के मीडिया जिसमें इलैक्ट्रॉनिक, प्रिंट, सोशल मीडिया की सकारात्मक भूमिका से हिमाचल प्रदेश में इस महामारी को रोकने में सफलता प्राप्त की है।

इस महामारी को रोकने में प्रदेश के नागरिकों का अनुशासन भी कम नहीं रहा है। जिस प्रकार से जनता का सहयोग मिला है उससे इस राक्षस रूपी कोरोना को रोकन में मदद मिली है।

हिमाचल प्रदेश ऑरेन्ज व ग्रीन श्रेणी में शामिल है और शीघ्र ही पूर्णरूप से ग्रीन श्रेणी में भी आ जाएगा। उम्मीद करनी चाहिए कि शीघ्र ही लॉकडाउन में केन्द्र के निर्देशों के अनुसार छूट मिल जाएगी तथा जन–जीवन धीरे–धीरे सामान्य हो जाएगा। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही है ''जान है तो जहान है'' यह ऐसा मंत्र है जो हर किसी के दिमाग में जल्दी घुस कर जादू की तरह सिर चढ़कर बोल रहा है। पैसा भी कमा लेंगे, गाड़ियो में भी घूम लेंगे, आनंद भी करेंगे लेकिन जान होगी तब। अब जबकि लॉकडान की अवधि 17 मई तक बढ़ गई है, हम सबको सोशल डिसटेसिंग का पालन करते हुए ''जान है तो जहान है'' वाली बात को ध्यान में रखना है, कोरोना राक्षस से जीतना है।

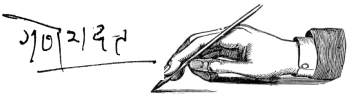

लोकतंत्र की अखंड धारा, विश्व सुदृढ़ संगठन हमारा
दीपकमल संदेश
03 मई 2020
डिजिटल बुलेटिन
हिमाचल प्रदेश

संगठनात्मक

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष की कोरोना महामारी के संदर्भ में पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 30 मार्च को वीडियो संदेश जारी कर पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार कोरोना संक्रमण के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में एकजुट हो तत्परता से सहयोग करने की अपील की। उन्होंने पंजाब, आंध्र प्रदेश, असम और तेलंगाना के प्रदेश भाजपा अध्यक्षों, संगठन महामंत्रियों, पार्टी पदाधिक्रारियों, सांसदों, विधायकों एवं जिला अध्यक्षों से वीडियो कांफ्रेंस की और कोरोना के खिलाफ जारी लड़ाई में पार्टी के योगदान की समीक्षा की, कार्यक्रम में पार्टी राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री बी. एल. संतोष भी उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि सारा विश्व और भारत भी कोरोना वायरस के संक्रमण की महामारी से जूझ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना को हराने के लिए पूरा भारतवर्ष एकजुट है। प्रधानमंत्री जी के निर्देशानुसार कोरोना के संक्रमण से देश की जनता को बचाने के लिए पूरे देश में 21 दिनों का कम्प्लीट लॉकडाउन किया गया है। इस लॉकडाउन में हम सभी लोग योगदान दे रहे हैं। सबसे पहले तो हमें खुद भी सख्ती से सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना है और अपने आसपास के लोगों को भी इसका पालन करने के लिए प्रेरित करना है, इसमें कोई समझौता नहीं होना चाहिए। जैसा कि प्रधानमंत्री जी ने ''मन की बात'' कार्यक्रम में कहा है, हमें सोशल डिस्टेंसिंग के साथ–साथ लोगों से इमोशनली कनेक्ट भी होना है। हमें भावनात्मक रूप से लोगों से जुड़ना चाहिए और एक–दूसरे की मदद के लिए तत्पर होते हुए कोरोना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़नी चाहिए।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस संक्रमण काल में भारतीय जनता पार्टी ने तय किया है कि पार्टी का एक–एक कार्यकर्ता देश का एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपना सकल सहयोग इस लड़ाई में करेगा। इसी संदर्भ में हमने निर्णय

लिया है कि संकट की इस घड़ी में जो भी जरूरतमंद लोग हैं और जिन्हें भी भोजन की आवश्यकता है, उन तक भाजपा कार्यकर्ता भोजन पहुंचाने का प्रबंध करेंगे। पार्टी के एक करोड़ कार्यकर्ता प्रतिदिन पांच करोड़ जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए दिन–रात अथक परिश्रम कर रहे हैं। हमने इस वृहद् अभियान को तीन तरीके से करने का निर्णय लिया है :–

पहला – प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता अपने घर पर खाने के पांच–पांच पैकेट तैयार करें और अपने स्तर पर या प्रशासन के सहयोग से इसे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का प्रबंध करें,

दूसरा – पार्टी कार्यकर्ता कम्युनिटी किचन का उपयोग करें और राशन सामग्री देकर एक साथ कई लोगों के लिए भोजन बनवाएं और प्रशासन के सहयोग से जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें, तथा

तीसरा – पार्टी कार्यकर्ता दो सप्ताह के राशन सामग्री का एक किट बनाकर भी जरूरतमंद लोगों में वितरित कर सकते हैं

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में सहयोग के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'पीएम केयर्स फंड' की घोषणा की है। भाजपा के सभी सांसद एवं विधायक इसमें अपना वेतन/मानदेय दे रहे हैं। इसी दिशा में भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से निवेदन करता हूं कि पार्टी के एक–एक कार्यकर्ता इसमें अपना योगदान दें। पार्टी के हर कार्यकर्ता 'पीएम केयर्स फंड' में डिजिटली 100–100 रुपये का अंशदान करें और कम से कम 10 समर्थकों को भी इस फंड में 100–100 रुपये योगदान देने के लिए प्रेरित करें। पार्टी कार्यकर्ताओं का छोटा से छोटा योगदान भी इस लड़ाई को जीतने में हमारी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि श्री नड्डा ने स्वास्थ्यकर्मियों, प्रशासन और पुलिस के बचाव एवं राहत कार्यों की जम कर सराहना की और पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से उन्हें भरपूर सहयोग करने की अपील की।

भाजपा अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस संक्रमण काल में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि पार्टी का एक–एक कार्यकर्ता इस चुनौती को स्वीकार करेगा और पूरी ताकत से लड़ते हुए कोरोना पर विजय प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लोकतंत्र की अखंड धारा, विश्व सुदृढ़ संगठन हमारा
दीपकमल संदेश
03 मई 2020
डिजिटल बुलेटिन
हिमाचल प्रदेश

केन्द्र सरकार की उपलब्धियां

''भारत कोविड-19 आपात प्रतिक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली तैयारी पैकेज'' के लिए 15,000 करोड़ रुपये को स्वीकृति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 22 अप्रैल को "भारत कोविड–19 आपात प्रतिक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली तैयारी पैकेज" के लिए 15,000 करोड़ रुपये के निवेश को स्वीकृति दे दी। इस स्वीकृत धनराशि का 3 चरणों में उपयोग किया जाएगा और अभी के लिए तत्काल कोविड–19 आपात प्रतिक्रिया (7,774 करोड़ रुपये की धनराशि) का प्रावधान किया गया है। बाकी धनराशि मध्यावधि सहयोग (1–4 वर्ष) के तौर पर मिशन मोड में उपलब्ध कराई जाएगी।

पैकेज के मुख्य उदेश्यों में डायग्नोस्टिक्स और कोविड समर्पित उपचार सुविधाओं का विकास, संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए जरूरी चिकित्सा उपकरण और दवाओं की केन्द्रीय खरीद, भविष्य में महामारियों से बचाव और तैयारियों में सहयोग के लिए राष्ट्रीय तथा राज्य स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूती देना और विकसित करना, प्रयोगशालाओं की स्थापना और निगरानी गतिविधियां बढ़ाना, जैव सुरक्षा तैयारियां, महामारी अनुसंधान और समुदायों को सक्रिय रूप से जोड़ना तथा जोखिम संचार गतिविधियों के माध्यम से भारत में कोविड–19 के प्रसार को धीमा और सीमित करने के लिए आपात प्रतिक्रिया बढ़ाना शामिल है। इन उपायों और पहलों को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत ही लागू किया जाएगा।

पहले चरण में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय अन्य संबंधित मंत्रालयों के सहयोग से पहले ही कई कदम उठा चुका है, जो इस प्रकार हैं :–

पैकेज के अंतर्गत मौजूदा स्वास्थ्य केन्द्रों को कोविड समर्पित

अस्पतालों, समर्पित कोविड स्वास्थ्य केन्द्र और समर्पित कोविड देखभाल केन्द्रों के रूप में तैयार करने के लिए राज्य/संघ शासित क्षेत्रों के लिए 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कोष जारी किया जा चुका है। क्वारंटाइन, आइसोलेशन, परीक्षण, उपचार, बीमारी की रोकथाम, कीटाणुशोधन, सामाजिक दूरी और निगरानी के लिए विस्तृत दिशा–निर्देश, प्रोटोकॉल और परामर्श जारी किए जा चुके हैं। हॉटस्पॉट्स की पहचान की जा चुकी है और रोकथाम की रणनीतियों को लागू किया जा रहा है।

डायग्नोस्टिक्स (नैदानिकी) प्रयोगशालाओं का विस्तार किया गया है और प्रतिदिन परीक्षण क्षमता बढ़ाई जा रही है। वास्तव में, राष्ट्रीय टी0बी0 उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत मौजूदा बहु–बीमारी परीक्षण प्लेटफॉर्म किया जा रहा है। इस क्रम में कोविड 19 परीक्षण बढ़ाने के लिए 13 लाख डायग्नोस्टिक किट की खरीद का ऑर्डर जारी कर दिया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवक (आशा) सहित सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को "प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज :–

कोविड 19 के मद्देनजर स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए बीमा योजना" के अंतर्गत बीमा सुरक्षा दी गई है। व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई), एन–95 मास्क और वेंटिलेटर, परीक्षण किट और उपचार में काम आने वाली दवाओं की केन्द्रीय स्तर पर खरीद की जा रही है।

इस व्यय के अधिकांश हिस्से को आपात प्रतिक्रिया, महामारी अनुसंधान और बहु–क्षेत्रीय राष्ट्रीय संस्थानों को सक्षम बनाकर राष्ट्रीय और राज्य स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूती देने, सामुदायिक जुड़ाव और जोखिम संबंधी संचार व कार्यान्वयन, प्रबंधन, क्षमता निर्माण, निगरानी और मूल्यांकन व्यवस्था को सक्षम बनाने में उपयोग किया जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को परिस्थितियों में बदलाव के आधार पर विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, केन्द्रीय खरीद, रेलवे, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग–आईसीएमआर, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र) के बीच पैकेज से संबंधित संसाधनों के वितरण के लिए अधिकृत किया गया है

लोकतंत्र की अखंड धारा, विश्व सुदृढ़ संगठन हमारा
दीपकमल संदेश
03 मई 2020
डिजिटल बुलेटिन
हिमाचल प्रदेश

केन्द्र सरकार की उपलब्धियां (2)

ई0पी0एफ0ओ0 ने पी0एम0जी0के0वाई0 के अंतर्गत 15 कार्य दिवसों में 6.06 लाख कोविड–19 दावों सहित 10.2 लाख दावों का निपटारा 3,600 करोड़ रुपये की राशि का वितरण

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत एक वैधानिक निकाय, द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) पैकेज के तहत केवल 15 कार्य दिवसों में कुल 10.02 लाख दावों का निपटारा किया, जिसमें 6.06 लाख कोविड–19 के दावे भी शामिल हैं।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 22 अप्रैल को जारी एक बयान के अनुसार इसमें कुल 3,600.85 करोड़ रुपये की राशि का वितरण किया गया है, जिसमें पीएमजीकेवाई पैकेज के अंतर्गत 1,954 करोड़ रुपये कोविड दावे के भी शामिल हैं।

लॉकडाउन के कारण केवल एक तिहाई कर्मचारियों की काम पर उपलब्धता होने के बावजूद, 90 प्रतिशत कोविड–19 दावों का निपटारा 3 कार्य दिवसों में निपटारा किया गया है और इस तरह शीघ्र निपटारा के लिए डिजाइन किए गए विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से सेवा प्रदान के नए मानकों को स्थापित किया गया है।

केंद्र सरकार द्वारा 26.03.2020 को पीएमजीकेवाई की शुरुआत की गई, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को कोविड–19 महामारी से निपटने में मदद मिल सके। सरकार द्वारा कोविड–19 महामारी से लड़ने के लिए ई0पी0एफ0 योजना से निकासी के प्रावधान की घोषणा की गई थी। ई0पी0एफ0 योजना में एक तत्काल अधिसूचना द्वारा विशेष पैरा 68 एल (3) लागू किया गया, जिसमें ई0पी0एफ0 खाताधारक सदस्यों को तीन महीने के मूल वेतन और महंगाई भत्ता या ई0पी0एफ0 खाते में जमा 75 प्रतिशत राशि, इनमें से जो भी कम हो, उसे निकालने की अनुमति प्रदान की गयी है।

ईपीएफओ द्वारा कोविड–19 के लिए ऑनलाइन अग्रिम दावों को दर्ज करने की सुविधा भी प्रदान की गई है, जो अन्य सेवाओं के साथ–साथ मोबाइल फोन के माध्यम से उमंग ऐप पर भी दर्ज की जा सकती है।

ईपीएफओ, इस कठिन परिस्थिति में अपने सदस्यों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है और ईपीएफओ कार्यालय इस संकट पर विजय प्राप्त करने में उनकी मदद करने के लिए कार्यरत हैं।